

नस्तक पुं. (तत्.) जानवरों की नाक में नाथ पहनाने के लिए किया गया छेद।

नस्त करण पुं. (तत्.) यंत्र जो नाक में दवा डालने के लिए व्यवहार में लाया जाता है।

नस्ता वि. (तत्.) पशुओं की नाक का छेद जिसमें रस्सी डाली जाती है।

नस्तित पुं. (तत्.) वह पशु जिसकी नाक में छेद करके रस्सी डाली जाए जैसे- बैल, ऊँट।

नस्य पुं. (तत्.) 1. नाक, सुंघनी 2. सूँघने की एक विशेष प्रकार की घी आदि से बनी औषध या विशिष्ट औषधों के योग से तैयार किया गया तैल, नसवार 3. बैलों की नाक की रस्सी या नाथ 4. नाक के बाल वि. (तत्.) 1. नासिका से संबंध रखने वाला, नाक का 2. नाक से बहने या निकलने वाला।

नस्या स्त्री. (तत्.) 1. नाक, नासिका 2. नासा-छिद्र, नाक का छेद 3. जानवरों की नाक में पहनाई जाने वाली रस्सी।

नस्याधार पुं. (तत्.) नासदानी, पात्र जिसमें सुंघनी रखी जाती है।

नस्योत पुं. (तत्.) 1. नाथा गया पशु 2. नाथ के जरिए चलाया जाने वाला बैल या पशु।

नह/नहँ पुं. (तत्.) नख, नाखून।

नहछू पुं. (तद्.) 1. तेल, हल्दी के बाद की विवाह की एक रस्म जिसमें हजामत बनाई जाती है नाखून काटे जाते हैं और मेंहदी, महावर आदि लगाते हैं 2. विवाह के पहले या द्वार पूजा के बाद की एक रस्म जिसमें कन्या के नाखून काटे जाते हैं और उसे स्नान कराया जाता है।

नहट्टा पुं. (देश.) नाखून से की हुई खरोंच, नखक्षत।

नहन पुं. ((देश.) पुरवट या मोद, खींचने की मोटी रस्सी, नार।

नहना स.क्रि. (देश.) काम में लगाना या तत्पर करना, जोतना।

नहर स्त्री. (देश.) 1. कृत्रिम नदी या जलमार्ग, खेतों की सिंचाई या यातायात के लिए तैयार किया गया मार्ग, कुल्या 2. जल बहाने के लिए बनाया गया रास्ता मुहा. नहर काटना/खोदना-नहर तैयार करना टि. बड़ी नहर साधारण नदी की तरह होती है उनमें बड़ी नावें चलती हैं, झीलों या बड़े जलाशयों का पानी मिलाने के लिए भी नहरें बनाई जाती हैं 3. कम चौड़ा पर गहरा जलमार्ग जैसे- स्वेज नहर, पनामा नहर।

नहरनी स्त्री. (तद्.) 1. हज्जामों का नाखून काटने का औजार, नहनी 2. इसी तरह की पोशते की ढोंढ़ी चीरने का आला या औजार।

नहरम स्त्री. (देश.) एक प्रकार की मछली जो भारत वर्ष की सभी नदियों में मिलती है, यह पहाड़ी झरनों में अधिकता से होती है।

नहरिया स्त्री. (तद्.) छोटी नहर।

नहरी वि. (तद्.) नहर से संबंध रखने वाला स्त्री. (तद्.) 1. नहर के पानी से सींची गई जमीन 2. नहर।

नहरुआ पुं. (देश.) कमर के निचले भाग में होने वाला रोग जो पानी के साथ विशेष कीड़ों के शरीर में प्रवेश से होता है, और अंग भी बेकार हो सकते हैं।

नहला पुं. (तद्.) 1. ताश के खेल का एक पत्ता जिसमें नौ बूटियाँ बनी होती हैं। ताश की एक गड्डी में चार नहले होते हैं 2. राज-मजदूरों का एक उपकरण जो नक्काशी के काम आता है। मुहा. नहले पर दहला-विरोधी की चाल का उससे मजबूत उत्तर।

नहलाई स्त्री. (देश.) 1. नहलाने की क्रिया या भाव 2. नहलाने के बदले दिया जाने वाला धन या मजदूरी।

नहलाना स.क्रि. (तद्.) स्नान करवाना, गीला कर देना।